SYLLAYBUS – M.A. HINDU STUDIES (MAHS)

Sub Code		Subject Name	Credit		Marks	
			Theory	Prac	CEC	TEE
		Semester – II				
MAHS -01	Core	परिचयात्मक संस्कृत	4	--	30	70
MAHS -02	Core	प्रमाण सिद्धांत	4	--	30	70
MAHS -03	Core	वादपरम्परा	4	--	30	70
MAHS -04	Core	तत्त्वविमर्श	4	--	30	70
			16		400	
		Semester – II				
MAHS -05	Core	पाश्चात्य-पद्धतिविचार	4	--	30	70
MAHS -06	Core	धर्म एवं कर्मविमर्श	4	--	30	70
MAHS -07	Elective	१) वैदिक परंपरा के सिद्धांत २) योग एवं स्वास्थ्य	4	--	30	70
MAHS -08	Elective	१) ज्योतिषशास्त्र २) जैन और बुद्धिष्ठ परम्परा	4 --	--	30 --	70
			16		400	
		Semester – III				
MAHS-09	Core	पुनर्जन्म, बंधन, मोक्ष-विमर्श	4	--	30	70
MAHS-10	Core	रामायण	4	--	30	70
MAHS-11	Elective	१) नाट्यशास्त्र २) प्राचीन भारतीय लेखन पद्धति	4	--	30	70
MAHS-12	Elective	१) भारतीय मूल्य २) वास्तुशास्त्र	4	--	30	70
			16		400	
		Semester – IV				
MAHS -13	Core	महाभारत	4	--	30	70
MAHS -14	Elective	१) पुराण-परिचय २) भारतीय कला	4	--	30	70
MAHS -15	Elective	१) आयुर्वेदशास्त्र २) काव्यशास्त्र परिचय 3) प्राचीन भारतीय व्यायाम	4	--	30	70
MAHS -16	Elective	१) प्राचीन भारतीय स्थापत्य एवं राजवंश २) तुलनात्मक धर्म	4	--	30	70
			16		400	

MAHS:01
परिचयात्मकसंस्कृत

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14 क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:

इस पाठ्यक्रम का हेतु अध्येता को संस्कृतभाषा का परिचय कराना है |

Part-1 Semester-1 MAHS :-101 परिचयात्मक संस्कृत	
क्रम	इकाई के नाम
Unite-1	संस्कृतवर्णमाला परिचय चतुर्दशमाहेश्वरसूत्राणि
Unite-2	शब्दरूपम्
Unite-3	धातुरूपम् (क्रियारुपम्)
Unite-4	धातुरूपम् (क्रियारुपम्)
Unite-5	संधि
Unite-6	समासः
Unite-7	कारकम् एवं उपपद विभक्ति
Unite-8	वाच्यम् - कर्तृ , कर्म ,भाव
Unite-9	प्रत्ययः - कृत्प्रत्ययः,तद्धित प्रत्ययः
Unite-10	स्त्री प्रत्यय
Unite-11	अव्यव
Unite-12	संस्कृत शब्दवलियो का पाश्चात्य अवधारणाओ से विधाभास
Unite-13	विशेष्य -विशेषणसंबन्धः
Unite-14	संस्कृत पाठ्यांशो के माध्यम से संस्कृत भाषा के पढने तथा लिखने का अभ्यास

MAHS:02
प्रमाण-मीमांसा

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14 क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:

इस पाठ्यक्रम का हेतु अध्येता को ज्ञानप्राप्ति के साधन से अवगत कराना है|

Part-1 Semester-1 MAHS :-102 प्रमाण-मीमांसा	
क्रम	इकाई के नाम
Unite-1	प्रमाण सिद्धान्त लक्षण
Unite-2	शास्त्रविश्लेषण की शास्त्रीयपद्धति
Unite-3	विविधप्रमाणो की प्रकृति, परिभाषा, विधि एवं सीमा
Unite-4	प्रत्यक्षप्रमाण
Unite-5	शब्दप्रमाण
Unite-6	अनुमानप्रमाण
Unite-7	उपमानप्रमाण
Unite-8	अर्थापत्यादिप्रमाण
Unite-9	शब्दशक्ति :अभिधा,तात्पर्यार्थ
Unite-10	शब्दशक्ति: लक्षणा
Unite-11	शब्दशक्ति :व्यंजना
Unite-12	स्वतः प्रामाण्य
Unite-13	परतः प्रामाण्य
Unite-14	आधुनिकग्रंथो में प्रमाणका अनुप्रयोग

MAHS:03
वाद-परम्परा

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14 क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:
इस पाठ्यक्रम का हेतु अध्येता को भारतीय ज्ञान प्रणाली अंतर्गत ज्ञानप्राप्ति के विविध आयाम समजाना है |

Part-1 Semester-1 MAHS :-103 वाद -परम्परा	
क्रम	इकाई के नाम
Unite-1	शास्त्रार्थपरम्परा एवं अधिकरण की विभावना
Unite-2	संशय से निर्णय
Unite-3	कथा , वाद
Unite-4	जल्प , वितंडा
Unite-5	ज्ञानअन्वेषण:अनुबंधचतुष्टय
Unite-6	ज्ञानका एकत्रीकरण: सूत्र,भाष्य,वृत्ति,टीका,टिप्पणी,संग्रह
Unite-7	श्रवणविधि द्वारा तात्पर्य का विश्लेषण
Unite-8	षड् विध तात्पर्य लिंग
Unite-9	षड् विध तात्पर्य निर्णायक तत्व - श्रुति, लिंग, वाक्य
Unite-10	षड् विध तात्पर्य निर्णायक तत्व - प्रकरण, स्थान, समाख्या
Unite-11	तंत्रयुक्ति: आधुनिकविज्ञानकेसन्दर्भमें शोधपद्धति
Unite-12	शोध पद्धति
Unite-13	वैष्णव वादपरम्परा
Unite-14	न्याय परम्परा: समीक्षा

MAHS:04
तत्त्व-विमर्श

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14 क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:
इस पाठ्यक्रम का हेतु अध्येता को भारतीय ज्ञानप्रणाली अंतर्गत तत्त्व के प्रति जागृत करना है |

Part-1 Semester-1 MAHS :-104 तत्त्वविमर्श	
क्रम	इकाई के नाम
Unite-1	'हिन्दू'शब्दबोध (ऐतिहासिक,भौगोलिक एवं जीवन दृष्टिपरक)
Unite-2	अष्टादश विद्या , उपांग तथा प्रमुख आचार्य
Unite-3	विभिन्न परम्परा में पदार्थ और तत्त्व
Unite-4	अर्धनारीश्वर-अवधारणा (बृहदारण्यक उपनिषद् १.४.३)
Unite-5	शक्ति तथा प्रकृति तत्त्व
Unite-6	स्त्री-विमर्शः सामान्तर सम्प्रभुता के सिद्धान्त
Unite-7	आत्माभिव्यक्ति :वाक् सूक्त,देव्यथर्वशीर्ष सूक्त तथा भगवद्गीता(१०.२०.४०)
Unite-8	आत्माभिव्यक्ति :देव्यथर्वशीर्ष सूक्त तथा भगवद्गीता(१०.२०.४०)
Unite-9	जैन, बौद्ध और सिक्ख परम्परा में नारी
Unite-10	वेदान्त में एकात्मता तथा जैन, बौद्ध ,न्याय-वैशेषिक दर्शनों और श्रीगुरु ग्रन्थ साहिबजी में अन्तः संबद्धता तथा सर्व समावेशिता का परिणामी विचार
Unite-11	वर्ण-विचार : वर्ण ((बृहदारण्यक उपनिषद् १/४/१०-१५,भगवद्गीता१८/४१-४५), जाति और कास्ट(Caste) के बीच अंतर
Unite-12	विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमियों के ऋषि और संत
Unite-13	सौन्दर्य लहरी : सामान्य परिचय
Unite-14	सौन्दर्य लहरी (नियतांश)

MAHS:05
पाश्चात्य-पद्धतिविचार

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14 क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:
इस पाठ्यक्रम का हेतु अध्येता को संशोधन की पाश्चात्य प्रणाली में भारत कैसे दर्शाया गया है वह समजाना है |

Part-1 Semester-2 MAHS :201 पाश्चात्य-पद्धतिविचार	
क्रम	इकाई के नाम
Unit-1	स्वतंत्र शोध पर पाश्चात्य प्रतिबंधक तत्त्व
Unit-2	भारत का पाश्चात्य जगत् द्वारा चित्रण
Unit-3	पाश्चात्य पारंपरिक साहित्यिक सिद्धांत
Unit-4	मार्क्सवादी दृष्टिकोण एवं समालोचना सिद्धांत: रचयिता बनाम पाठक
Unit-5	मार्क्सवादी दृष्टिकोण एवं समालोचना सिद्धांत:समालोचनात्मक सिद्धांत का इतिहास एवं उद्देश्य
Unit-6	Hegemony (ग्रामशी)
Unit-7	संरचनावाद पर आधारित भारत का चित्रण
Unit-8	Orientalism- पाश्चात्य अनुभव एवं भारत का चित्रण
Unit-9	भारतीय परिप्रेक्ष्य में मनोवैज्ञानिक पद्धति
Unit-10	उत्तर आधुनिकतावाद एवं भारत
Unit-11	New Historicism और भारत का चित्रण
Unit-12	तटस्थ अन्वेषण और भारत का चित्रण
Unit-13	प्रमुख पाश्चात्य सिद्धांतों की भारतीय दर्शन से वैचारिक साम्यता(समानता)
Unit-14	पाश्चात्य दर्शन के प्रमुख सिद्धांत एवं उनका प्रभाव

MAHS: 06
धर्म-कर्मविमर्श

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:
इस पाठ्यक्रम का हेतु अध्येता को भारतीय ज्ञानप्रणाली अंतर्गत धर्म एवं कर्म के संबंध में अवगत करवाना है|

Part-1 Semester-2 MAHS :202 धर्म-कर्मविमर्श	
क्रम	इकाई के नाम
Unit-1	धर्म: परिभाषा एवं अर्थ
Unit-2	धर्म एवं Religion
Unit-3	धर्म - प्रकार: प्रवृत्तिमूलक
Unit-4	धर्म - प्रकार: निवृत्तिमूलक
Unit-5	धर्म: वैदिक, श्रमण एवं सिक्ख परंपराओं में संयोजक सिद्धांत
Unit-6	वर्णाश्रम धर्म
Unit-7	राजधर्म, आपद्धर्म
Unit-8	समाजधर्म, स्वधर्म
Unit-9	कर्म, अकर्म एवं विकर्म (भगवद्गीता 4-16 तथा उस पर शंकरभाष्य)
Unit-10	षड्विध कर्म
Unit-11	निष्काम एवं सकाम कर्म
Unit-12	कर्म एवं कर्मफल
Unit-13	प्रारब्ध तथा संस्कार
Unit-14	भगवद्गीता – निहितांश

MAHS :07

वैदिकपरंपराकेसिद्धांत

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14 क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:

इस पाठ्यक्रम का हेतु अध्येता को भारतीय वेदो के ज्ञान को प्राप्त करवाना हैं |

Part-1 Semester-2 MAHS :203 वैदिक परंपरा के सिद्धांत	
क्रम	इकाई के नाम
Unit-1	वेद एवं अर्थ, व्युत्पत्ति, समानार्थी एवं विभिन्न परम्पराएँ
Unit-2	वेद, वेदत्रयी, समाम्नाय, निगम, स्वाध्याय एवं उनकी एकता
Unit-3	ऋषि, देवता, छंद
Unit-4	वेद,मंत्र, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद् का एकत्व
Unit-5	निगम एवं आगम : आंतरसंबंध
Unit-6	यज्ञ एवं इष्टिः काम्य एवं निष्काम, यज्ञ एवं वैदिक, धार्मिक क्रियाएँ करने की पूर्वसिद्धता
Unit-7	अग्निहोत्रं, संध्योपासना एवं योग अग्निशालाका विज्ञान, पञ्च प्रकारकी अग्नि एवं यज्ञशालाएं
Unit-8	वेद के ऋत, सत्य, दीक्षा, तप एवं यज्ञों का विचार, शुभ एवं अनिष्ट का विचार
Unit-9	यज्ञमीमांसा : मीमांसाशास्त्र का संक्षिप्त परिचय, वैदिक यज्ञ का परिणाम
Unit-10	बहुदेववाद, एकेश्वरवाद एवं अद्वैतवाद का विचार
Unit-11	वेद की सार्वत्रिक सुसंगतता: व्यक्तित्व विकास
Unit-12	वेद की सार्वत्रिक सुसंगतता:स्वस्थ समाज एवं राष्ट्रनिर्माण
Unit-13	वैदिक निरुक्ति: धार्मिक, आध्यात्मिकं एवं अन्य
Unit-14	पर्यावरण का वैदिक स्वरुप

MAHS: 08
ज्योतिषशास्त्र

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14 क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:

ज्योतिषशास्त्र का अभ्यास एवं ज्योतिष के माध्यमसेग्रह, राशि, नक्षत्र, आदि से ज्ञात होगे|

Part-1 Semester-2 MAHS :204 ज्योतिषशास्त्र	
क्रम	इकाई के नाम
Unit-1	ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय
Unit-2	ज्योतिषशास्त्र एक वेदांग
Unit-3	ज्योतिषशास्त्र के भेद
Unit-4	ज्योतिष एवं विज्ञान का सम्बन्ध
Unit-5	भारतीय ज्योतिष और पंचांग देशकाल की माप
Unit-6	ज्योतिष गणित
Unit-7	गणितशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दव्युत्पत्ति
Unit-8	ज्योतिर्गणिताधिरोहिणी
Unit-9	पञ्चाङ्ग-परिचय
Unit-10	षड्वर्ग परिचय
Unit-11	नक्षत्र परिचय
Unit-12	ग्रह परिचय
Unit-13	राशि परिचय
Unit-14	हस्तरेखा विज्ञान

MAHS:09
पुनर्जन्म-बंधन-मोक्ष विमर्श

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:

इस पाठ्यक्रम का हेतु अध्येता को भारतीय तत्त्वज्ञान में पुनर्जन्म, बंधन एवं मोक्ष के बारे में जो अवधारणाएं प्राप्त होती है इसका परिचय कराना है|

Part-2 Semester-3 MAHS :301 पुनर्जन्म, बंधन, मोक्ष-विमर्श	
क्रम	इकाई के नाम
Unit-1	जीवन की अवधारणा
Unit-2	बंधन की परिभाषा - सांख्यकारिका (सांख्यकौमुदी)
Unit-3	बंधन का मूलभूत कारण एवं उसकी प्रक्रिया
Unit-4	धर्म का प्रेरक तत्त्व-पुनर्जन्म
Unit-5	विनाश के भय से मुक्ति
Unit-6	मोक्ष की विभावना
Unit-7	उपनिषद में मोक्ष का विचार
Unit-8	जीवनमुक्ति-विदेहमुक्ति
Unit-9	मोक्ष के लिए पूर्वापेक्षाएँ (संन्यासी और गृहस्थ)
Unit-10	अत्यंत दु:खनिवृत्ति / कैवल्य
Unit-11	मुक्ति का मार्ग
Unit-12	मोक्षप्राप्ति के विभिन्न मार्ग : अभ्यास-कर्म
Unit-13	मोक्ष प्राप्त करने के विभिन्न तरीके : भक्तिमार्ग
Unit-14	मोक्ष प्राप्त करने के विभिन्न तरीके : ज्ञानमार्ग

MAHS : 10
रामायण

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:

इस पाठ्यक्रम का हेतु अध्येताको रामायण का परिचय कराना है|

Part-2 Semester-3 MAHS :302 रामायण	
क्रम	इकाई के नाम
Unit-1	वाल्मीकि रामायण
Unit-2	आस्थाकेंद्रित रामायण (थाई रामायण)
Unit-3	बंधन का मूल कारण एवं उसकी प्रक्रिया
Unit-4	विभिन्न रामकथाएं
Unit-5	मर्यादा पुरुषोत्तम राम
Unit-6	मानवीय संबंध एवं राम
Unit-7	रामायण की लोकप्रियता और प्रासंगिकता
Unit-8	भारतीय कलाओं के उपजीव्य स्रोत के रूप में रामायण
Unit-9	स्त्री विमर्श : अनसूया, अहल्या, कैकयी, कौशल्या, मंदोदरी
Unit-10	स्त्री विमर्श : सीता, स्वयंप्रभा, शबरी, तारा, त्रिजटा और ऊर्मिला
Unit-11	रामराज्य
Unit-12	समाज में साधु की भूमिका
Unit-13	रामायण कालीन भारतीय भूगोल
Unit-14	रामायण (नियंताश)

MAHS : 11
नाट्यशास्त्र

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:

इस पाठ्यक्रम का हेतु अध्येताको नाट्यशास्त्र का परिचय कराना है|

Part-2 Semester-3 MAHS :303 नाट्यशास्त्र	
क्रम	इकाई के नाम
Unit-1	भरतमुनिकृत नाट्यशास्त्र का परिचय
Unit-2	नाट्यशास्त्र का उद्भव , विकास और महत्त्व
Unit-3	नाट्यगृह परिचय और पारिभाषिक संज्ञा
Unit-4	प्रेक्षागृह
Unit-5	करण और अंगहार एवं संस्कृत नाट्यके पूर्वरंग
Unit-6	नाट्य तत्व : रस ,भाव और अभिनय
Unit-7	नाट्य तत्व : कथावस्तु और पात्र
Unit-8	उरुभंग का परिचय
Unit-9	दशरुपक प्रथम प्रकाश
Unit-10	दशरुपक तृतीय प्रकाश
Unit-11	स्वर, आतोद्य और सिद्धि
Unit-12	प्रमुख नाट्य के प्रमुख ग्रन्थकार
Unit-13	प्रमुख नाट्य के प्रमुख ग्रन्थ
Unit-14	भारतीय लोकरंगमंच परम्परा

MAHS : 12
नाट्यशास्त्र

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:

इस पाठ्यक्रम का हेतु अध्येताको भारतीय मूल्य का परिचय कराना है|

Part-2 Semester-3 MAHS :304 भारतीय मूल्य	
क्रम	इकाई के नाम
Unit-1	भारतीय मूल का परिचय
Unit-2	भारतीय मूल / नीति का उद्भव विकास
Unit-3	भारतीय मूल के प्रवर्तक एवं आचार्य
Unit-4	भारतीय मूल /नीति का प्रयोजन
Unit-5	भारतीय मूल के स्रोत
Unit-6	भारतीय मूल के साधन
Unit-7	भारतीय मूल की शिक्षा के विविध रूप
Unit-8	पुरुषार्थचतुष्ट्य
Unit-9	भारतीय मूल के सम्प्रत्यय :शुभ- अशुभ, पुण्य- पाप तथा अधिकार
Unit-10	कर्त्तव्यवाद श्रीमद्भगवद्गीता
Unit-11	सनातन धर्माद्धार का स्तम्भ भारतीय मूल
Unit-12	पंचतन्त्र अनुप्रयोगात्मक आचार पद्धतियों के सन्दर्भ
Unit-13	अर्थशास्त्र अनुप्रयोगात्मक आचार पद्धतियों के सन्दर्भ
Unit-14	ऋण की अवधारणा।

MAHS : 13
महाभारत

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:

इस पाठ्यक्रम का हेतु अध्येता को भारतीय ज्ञान परंपरा से अवगत कराना एवं तत्कालीन भारतीय समाज-व्यवस्था का परिचय कराना है|

Part-2 Semester-4 MAHS :401 महाभारत	
क्रम	इकाई के नाम
Unit-1	महर्षि वेदव्यास का परिचय
Unit-2	महाभारत का समय - पाठ्य और पारंपरिक इतिहास
Unit-3	महाभारत की मूल कहानी और अन्य संस्करणों की समीक्षा
Unit-4	धर्म के दश लक्षण की कथाएँ :- धृति (गंगावतरण), क्षमा(वशिष्ठ-विश्वामित्र), दम(ययाति-पुरु), अस्तेय(युधिष्ठिर-यक्ष संवाद), शौच(सैरन्धी-विराटपर्व)
Unit-5	धर्म के दश लक्षण की कथाएँ :- इन्द्रियनिग्रह(व्याध के इन्द्रियनिग्रह विषयक उपदेश),धी(सावित्रीउपदेश), विद्या(मनुष्य-शेर-साप की कथा-स्त्रीपर्व), अक्रोध(विदुर)सत्य(हरिश्चंद्रकथा),
---Unit-6	महाभारत उपजीव्य काव्य – भारतीय साहित्य एवं कला के संदर्भ में
Unit-7	विदुर नीति
Unit-8	भगवद्गीता- परिचय
Unit-9	राजधर्म एवं राजनीति : शांतिपर्व
Unit-10	शांतिपर्व (नियतांश)
Unit-11	भारतवर्ष की राजनैतिक एवं भौगोलिक सीमाएं
Unit-12	स्त्री-विमर्श : द्रौपदी, कुन्ती, हिडिम्बा, जाम्बवती, उत्तरा
Unit-13	स्त्री-विमर्श : गांधारी, माद्री, रुक्मिणी, सत्यभामा, शिखंडी, सुलोचना
Unit-14	महाभारत के नायक श्रीकृष्ण

MAHS : 14
पुराण परिचय

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:

इसपाठ्यक्रमकाहेतुअध्येताको पौराणिक साहित्य, समाज एवं ज्ञान का परिचय कराना है|

Part-2 Semester-4 MAHS :402 पुराण परिचय	
क्रम	इकाई के नाम
Unit-1	पुराण-शब्दार्थ, स्वरूप और पुराण के पंच लक्षण
Unit-2	पुराण और उपपुराण
Unit-3	वेदों के सहायक स्रोत के रूप में पुराण
Unit-4	पुराण में समय की अवधारणा
Unit-5	धर्म की अवधारणा, दिनचर्या, संस्कार और अतिथिसत्कार
Unit-6	तप, यज्ञ, दान और क्रिया
Unit-7	पुराणो में भारत के लोग, भाषा और भूगोल का वर्णन
Unit-8	एकीकृत भाषा के रूप में संस्कृत
Unit-9	आख्यान एवं उपाख्यान - लक्षण
Unit-10	पुराणो मे ऋषि और ऋषिकाएं (बृहददेवता-२७)
Unit-11	पुराणों में महत्त्वपूर्ण पुरुष पात्र
Unit-12	पुराणों मे महत्त्वपूर्ण महिला पात्र
Unit-13	द्वादश अरण्य, सप्तपुरी और चार धाम
Unit-14	द्वादश ज्योतिर्लिंग, ५२ शक्तिपीठ एवं सप्तद्वीप

MAHS : 15
आयुर्वेदशास्त्र

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:

इसपाठ्यक्रमकाहेतुअध्येताको आयुर्वेदशास्त्र का परिचय कराना है|

Part-2 Semester-4 MAHS :403 आयुर्वेदशास्त्र	
क्रम	इकाई के नाम
Unit-1	आयुर्वेद: लक्षण एवं प्रयोजन
Unit-2	आयुर्वेदकी उत्पत्ति
Unit-3	वैदिककाल अंतर्गत आयुर्वेद, प्रमुख शास्त्रीय आयुर्वेद के महर्षि का परिचय आत्रेय, धन्वंतरी, कश्यप, अग्निवेश, भेल, हारित
Unit-4	आयुर्वेद ग्रंथ के लेखक :- चरक, सुश्रुत एवं वाग्भट
Unit-5	आयुर्वेद की फिलोसोफिकल पृष्ठभूमिका
Unit-6	आयुर्वेदके विभिन्न सिध्दांतो का परिचय
Unit-7	आयुर्वेद की निदान पद्धतिओ का परिचय :- प्रकृति परीक्षा, त्रिविध परीक्षा
Unit-8	आयुर्वेद अष्टांग आयुर्वेद की शाखाएं
Unit-9	स्वस्थ, स्वास्थ्य एवं स्वस्थवृत्त की परिभाषा आरोग्य-लक्षण, WHO आरोग्य की परिभाषा
Unit-10	दिनचार्य, रात्रीचार्य, ऋतुचर्या, सद्वृत्त, त्रयोपस्तंभ का परिचय
Unit-11	द्रव्यगुण एवं रसशास्त्र का परिचय
Unit-12	रस, गुण, वीर्य, विपाक, प्रभाव
Unit-13	वै द्रव्य का परिचय:हरितकी, विभितकी, आमलकी,गुदुची औषध काल्पना का परिचय
Unit-14	द्रव्य का परिचय: स्वरसा, कालका, फांटा, हिमा, कषाय

MAHS : 16
प्राचीन भारतीय स्थापत्य एवं राजवंश

कुलगुणांक: 100 (70+30) **कुलइकाईयाँ: 14क्रेडिट: 4**

पाठ्यक्रमकाहेतु:
इसपाठ्यक्रमकाहेतुअध्येताको प्राचीन भारतीय स्थापत्य एवं राजवंश का परिचय कराना है|

Part-2 Semester-4 MAHS :404 प्राचीन भारतीय स्थापत्य एवं राजवंश	
क्रम	इकाई के नाम
Unit-1	भारतीय स्थापत्य का उद्भव एवं विकास
Unit-2	प्रारंभिक स्थापत्य :- श्रौत एवं शुल्बसूत्रों में वर्णित
Unit-3	सिन्धु सभ्यता का स्थापत्य एवं नगर संरचना
Unit-4	मंदिर स्थापत्य उद्भव एवं विकास तथा नागर , वेसर ,द्राविड शैली
Unit-5	गुप्तकालीन मंदिरों का विकास
Unit-6	वास्तुशास्त्र और वास्तुदेवता
Unit-7	हिन्दू मंदिरों में वास्तुशैली
Unit-8	बौद्ध एवं जैन मंदिरों में वास्तुशैली
Unit-9	भवननिर्माण में भूमिचयन, पाषाणचयन, तथा परिक्षण
Unit-10	प्राचीन पर्वतमंदिर एवं गुफामंदिर
Unit-11	उत्तर भारत के मंदिर :- राजस्थान , कश्मीर , भुवनेश्वर ,कोणार्क, मोढेरा....
Unit-12	दक्षिण भारत के मंदिर :- एहोल , एलोरा ,महाबलिपुरम, तंजौर, मदुरई ..
Unit-13	प्रमुख राजवंश :- मौर्य , ललितादित्य, चक्रध्वजसिंह, चोल,हरिहर और बुक्का
Unit-14	प्रमुख राजवंश :- बप्पा रावल, हर्षवर्धन , राजा भोज, दाहिर-सेन ,मार्तंड वर्मा, राणा प्रताप, शिवाजीमहाराज